वाराणसी विकास प्राधिकरण वाराणसी

राजा उदय प्रताप मार्ग पन्ना लाल पार्क वाराणसी-221002
Ph: 0542-2283305/06, Fax: 0542-2283307, E-mail: vdavaranasi@gmail.com, Website:www.vdavns.com

वाराणसी विकास प्राधिकरण से सम्बन्धित दिनांक 19.03.2026 को वाराणसी शहर में प्रकाशित न्यूज पेपर",अमर उजाला, हिंदुस्तान, दैनिक जागरण, आज, जनवार्ता, न्यायाधीश, तरुणमित्र न्यूज़,"समाचार पत्र कटिंग का विवरण।

अमर उजाला –दि0 19.03.2026

बिना नक्शा पास कराए अवैध निर्माण किया सील

वाराणसी। वीडीए उपाध्यक्ष पुर्ण बोरा के निर्देश पर प्रवर्तन टीम की ओर से अवैध निर्माण सील किया गया। दशाश्वमेध वार्ड के अवधेश कुमार सिंह ने कुरौना में बिना नक्शा स्वीकृत कराए एक फ्लोर की छत ढाली गई। दूसरे फ्लोर पर पिलर शटरिंग करने पर उत्तर प्रदेश नगर नियोजन एवं विकास अधिनियम के तहत पुलिस बल के सहयोग से सील की कार्रवाई की गई। जोनल अधिकारी रविंद्र प्रकाश, अवर अभियंता आदर्श निराला मौजूद रहे। वीडीए उपाध्यक्ष ने जनता से अपील की कि वाराणसी विकास प्राधिकरण से ले-आउट स्वीकृत प्लॉट ही खरीदें। मानचित्र स्वीकृत कराए बिना किसी भी प्रकार का निर्माण न करें। अन्यथा की स्थिति में प्राधिकरण की ओर से सख्त कार्रवाई की जाएगी। ब्यूरो

हिन्दुस्तान –दि0 19.03.2026

अवैध निर्माण पर कुरौना में पेट्रोल पंप सील

वाराणसी। वीडीए प्रशासन ने बुधवार को अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई की। दशाश्वमेध वार्ड के कुरौना में एक पेट्रोल पंप को सील कर दिया गया। पेट्रोल पंप मालिक अवधेश कुमार सिंह ने बिना नक्शा स्वीकृत कराए दूसरे फ्लोर पर निर्माण कराया था। जोनल अधिकारी रविंद्र प्रकाश, जेई आदर्श निराला मौजूद रहे। वीडीए उपाध्यक्ष पुर्ण बोरा ने कहा कि स्वीकृत मानचित्र वाले प्लॉट ही खरीदें।

दैनिक जागरण–दि0 19.03.2026

टूटे स्कल्पचर की मरम्मत के निर्देश

जागरण संवाददाता, वाराणसी : विकास प्राधिकरण (वीडीए), बनारस लोकोमोटिव वर्क्स (बीएलडब्ल्यू), रेल मंत्रालय और संस्कृति मंत्रालय के संयुक्त प्रयास से शहर के सुंदरीकरण को लेकर मसौदा तैयार किया गया है। इसमें प्रमुख चौराहों, सड़कों और सार्वजनिक स्थलों पर प्रस्तावित कुल 64 अद्वितीय स्कल्पचर में से 54 स्थानों पर स्थापित हो चुके हैं। इन स्थानों पर बने अद्वितीय स्कल्पचर में काशी की संस्कृति और कला दिखाई दे रही है।

वीडीए उपाध्यक्ष पुर्ण बोरा ने परियोजना की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया गया कि जिन स्थानों पर स्कल्पचर क्षतिग्रस्त या टूट गए हैं, उनकी मरम्मत शीघ्र कराई जाए। स्थापित कलाकृतियों का समुचित रख-रखाव सुनिश्चित हो, ताकि शहर की छवि प्रभावित न हो।

वाराणसी विकास प्राधिकरण वाराणसी

राजा उदय प्रताप मार्ग पन्ना लाल पार्क वाराणसी-221002

Ph: 0542-2283305/06, Fax: 0542-2283307, E-mail: vdavaranasi@gmail.com, Website:www.vdavns.com

आज –दि0 19.03.2026

विप्रा और रेलवे की संयुक्त परियोजना में चौराहों का होगा काया-कल्प

विकास प्राधिकरण वाराणसी क्षेत्र के चौक चौराहों को आकर्षक बनाने के लिए विरासत के आधार पर पहचान करायेगा। इस संबंध मे वीडीए और बरेका के सहयोग से शहर में सौन्दरीकरण का सयुक्त अभियान चलाया जाएगा। इस परियोजना में ६४ स्कल्पचर स्थापित किये जायेगे। जबकि अब तक ५४ स्थानों पर काम पूरा हो चूका है। जिससे की शहर के विभिन्न स्थानो पर कला और संस्कृति की पहचान दिखाई दे। विप्रा उपाध्यक्ष ने बताया कि जिन स्थानों पर स्कल्पचर नष्ट या क्षतिग्रस्त हुआ है उसको दुरूस्त कराया जायेगा। इसके लिए विभाग के अधिकारियों को आदेश दिये जा चूके है। सुन्दरीकरण में रियूज और रीसाइकल का संदेश शहर के विभिन्न चौराहों पर और सार्वजनिक स्थलों पर स्थापित किया जायेगा। जिससे लोगों में पर्यावरण संरक्षण की भावना बड़े। कलाकृतियों को स्क्रैप और अनुउपयोगी धातुओं से तैयार किया गया है। इसका मुख्य उदेदश्य कबाड समझे जाने वाले वस्तुओं का आकर्षण रूप में उपयोगी हो सकता है। स्कल्पचर में महिला सशक्तिकरण, योग, खेल, हस्तलिपि और पर्यावरण संरक्षण को सांस्कृतिक विरासत के रूप में दर्शाया जायेगा। जिससे की आने वाले पर्यटकों को वाराणसी की कलाकृति के बारे में जानकारी मिल सकें। उपाध्यक्ष ने बताया कि शुरू में ६४ जगहों को चिन्हित किया गया है जहां लैण्ड स्केपिंग हरियाली और साफ-सफाई के अलावा रात्रि में प्रकाश की उचित व्यवस्था हों। बैठक में विप्रा के अधिक्षण अभियंता अजय पवार, हेरिटेज के कार्यकारी निदेशक हासिमा मल्होत्रा, रेलवे बोर्ड के स्वदेशी कुमार सिंह, भारतीय रेल परिवहन प्रबंध संस्थान के अर्पित गुप्त, स्टेशन निदेशक पूर्वोत्तर रेलवे अरविन्द कुमार, उपमुख्य मार्केटिंग प्रबंधक सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे।

जनवार्ता–दि0 19.03.2026

वीडीए की पहल: स्कल्पचर से संवरेगा काशी का स्वरूप

वाराणसी (जनवार्ता)। शहर के प्रमुख चौराहों और सार्वजनिक स्थलों पर कला के माध्यम से सौंदर्यीकरण की अनूठी पहल तेजी पकड़ रही है। वीडीए, बरेका, रेल मंत्रालय और संस्कृति मंत्रालय के संयुक्त प्रयास से 64 स्थानों पर स्कल्पचर स्थापित किए जाने की योजना है। जिनमें से 54 पर कार्य पूर्ण हो चुका है। इस दौरान वीडीए के उपाध्यक्ष पुर्ण बोरा ने परियोजना की समीक्षा करते हुए क्षतिग्रस्त कलाकृतियों की शीघ्र मरम्मत के निर्देश दिए और रखरखाव में लापरवाही पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि सभी स्थापित स्कल्पचर का समुचित संरक्षण सुनिश्चित किया जाए, ताकि शहर की सुंदरता प्रभावित न हो। वही स्क्रैप और अनुपयोगी धातुओं से तैयार ये कलाकृतियां रीयूज और रीसायकल का संदेश देती हैं। इनमें महिला सशक्तिकरण, योग, खेल, पर्यावरण संरक्षण और काशी की सांस्कृतिक विरासत जैसे विषयों को दर्शाया गया है।

न्यायाधीश–दि0 19.03.2026

वाविप्रा द्वारा अवैध निर्माण के विरूद्ध सील की कार्यवाही सम्पादित

वाराणसी ।उपाध्यक्ष वाविप्रा द्वारा प्रदत्त निर्देश के क्रम में वाराणसी विकास प्राधिकरण वाराणसी जोन-3 की प्रवर्तन टीम द्वारा अवैध निर्माण के विरूद्ध सील की कार्यवाही सम्पादित की गयी। वार्ड- दशाश्वमेध के अन्तर्गत अवधेश कुमार सिंह के द्वारा मौजा- कुरौना, वार्ड- दशाश्वमेध बिना नक्शा स्वीकृत कराये लगभग पक्ष द्वारा एक फ्लोर का छत डालकर दूसरे फ्लोर का पिलर सेंटरिंग का कार्य किए जाने पर बिना मानचित्र स्वीकृत कराये विपरीत निर्माण कार्य किये जाने पर उ0प्र0 नगर नियोजन एवं विकास अधिनियम-1973 की सुसंगत धारा-27 व धारा 28 (I) 28 (II) के अन्तर्गत आज 18.03.2026 को प्रवर्तन टीम एवं पुलिस बल के सहयोग से सील की कार्यवाही की गयी ।मौके पर जोनल अधिकारी श्री रविंद्र प्रकाश,अवर अभियंता आदर्श निराला प्रवर्तन दल सहित समस्त सुपरवाइजर व पुलिस बल उपस्थित रहे।उपाध्यक्ष द्वारा आम जन मानस से अपील की गयी है कि वाराणसी विकास प्राधिकरण से ले-आउट स्वीकृत प्लॉट ही खरीदें तथा मानचित्र स्वीकृत कराये बिना किसी भी प्रकार का निर्माण कार्य न करें अन्यथा की स्थिति में प्राधिकरण द्वारा सख्त कार्यवाही की जायेगी।

न्यायाधीश–दि0 19.03.2026

शहर के चौक-चौराहों पर उभर रही है कला की चमक, विरासत से जुड़ रही है पहचान

वाराणसी ।वाराणसी विकास प्राधिकरण (वीडीए), बनारस लोकोमोटिव वर्क्स (बीएलडब्लूयू), रेल मंत्रालय तथा संस्कृति मंत्रालय के संयुक्त प्रयास से शहर के सौंदर्यीकरण की दिशा में एक अभिनव पहल की जा रही है। इस परियोजना के अंतर्गत शहर के प्रमुख चौराहों, सड़कों और सार्वजनिक स्थलों पर कुल 64 अद्वितीय स्कल्पचर स्थापित किए जाने की योजना है। अब तक 54 स्थानों पर स्कल्पचर स्थापित किए जा चुके हैं, जिससे शहर के विभिनन स्थानों पर कला और संस्कृति की नई पहचान उभरती दिखाई दे रही है।वाराणसी विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष श्री पुर्ण बोरा द्वारा इस परियोजना की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया गया कि जिन स्थानों पर स्कल्पचर क्षतिग्रस्त या टूट गए हैं, उनकी मरम्मत शीघ्र कराई जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए नाराजगी भी व्यक्त की कि स्थापित कलावृतियों का समुचित रखरखाव सुनिश्चित किया जाए, ताकि शहर की सौंदर्यात्मक छवि प्रभावित न हो।रीयूज़ और रीसायकल का संदेश शहर के विभिनन चौराहों और सार्वजनिक स्थलों पर स्थापित ये स्कल्पचर केवल सौंदर्यीकरण का माध्यम नहीं हैं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और रचनात्मक सोच का भी संदेश दे रहे हैं। इन कलाकृतियों को स्क्रैप एवं अनुपयोगी धातुओं से तैयार किया गया है, जिससे 'रीयूज़ और रीसायकल' की अवधारणा को बढ़ावा मिल रहा है। यह पहल इस बात का उदाहरण प्रस्तुत करती है कि कबाड़ समझी जाने वाली वस्तुएं भी कला और रचनात्मकता के माध्यम से उपयोगी और आकर्षक रूप ले सकती हैं।इन स्कल्पचर में महिला सशक्तिकरण, योग, खेल, मिलेट्स, हस्तशिल्प, पर्यावरण संरक्षण तथा वाराणसी की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत जैसे विविध विषयों को दर्शाया गया है। प्रत्येक कलाकृति अपने स्थान के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक या आध्यात्मिक महत्व को अभिव्यक्त करती है, जिससे स्थानीय नागरिकों के साथ-साथ पर्यटकों को भी उस क्षेत्र की विशेषता को समझने का अवसर मिलता है।उपाध्यक्ष श्री पुर्ण बोरा ने बताया कि इस योजना के अंतर्गत शहर के 64 प्रमुख स्थलों पर स्टोन, फाइबर और मेटल से निर्मित कलाकृतियाँ स्थापित की जा रही हैं। इसके साथ ही संबंधित स्थानों पर लैंडस्केपिंग, हरियाली, साफ-सफाई तथा रात्रि में आकर्षक प्रकाश व्यवस्था की भी व्यवस्था की जा रही है, जिससे शहर का सौंदर्य और अधिक निखरेगा।यह पहल वाराणसी की सांस्कृतिक पहचान को नई ऊर्जा प्रदान कर रही है। इन स्कल्पचर के माध्यम से न केवल शहर का सौंदर्य बढ़ रहा है, बल्कि समाज में पर्यावरण संरक्षण, रचनात्मकता और सतत विकास के प्रति जागरूकता भी बढ़ रही है। यह परियोजना वाराणसी को कला, संस्कृति और स्वच्छता के क्षेत्र में एक नई पहचान देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हो रही है।बैठक के दौरान अधीक्षण अभियंता अजय पवार,श्रीमती आशिमा मेहरोत्रा कार्यकारी निदेशक (हेरिटेज) रेलवे बोर्डश्री स्वदेश कुमार सिंह, वरिष्ठ प्रोफेसर (एडमिन), भारतीय रेल परिवाहन प्रबंधन संस्थान, लखनऊ ,श्री अर्पित गुप्ता, स्टेशन निदेशक, वाराणसी, उत्तर रेलवे श्री अरविंद कुमार, उप मुख्य मार्केटिंग प्रबंधक, बनारस रेल कारखाना संबंधित अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

तरूणमित्र न्यूज–दि0 19.03.2026

वाराणसी के चौक-चौराहों पर उभर रही है कला की चमक, विरासत से जुड़ रही है पहचान

तरुणमित्र न्यूज

वाराणसी। वाराणसी विकास प्राधिकरण (वीडीए), बनारस लोकोमोटिव वर्क्स (बीएलडब्ल्यू), रेल मंत्रालय तथा संस्कृति मंत्रालय के संयुक्त प्रयास से शहर के सौंदर्यीकरण की दिशा में एक अभिनव पहल की जा रही है। इस परियोजना के अंतर्गत शहर के प्रमुख चौराहों, सड़कों और सार्वजनिक स्थलों पर कुल 64 अद्वितीय स्कल्पचर स्थापित किए जाने की योजना है। अब तक 54 स्थानों पर स्कल्पचर स्थापित किए जा चुके हैं, जिससे शहर के विभिन्न स्थानों पर कला और संस्कृति की नई पहचान उभरती दिखाई दे रही है।

वाराणसी विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष पुर्ण बोरा द्वारा इस परियोजना की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया गया कि जिन स्थानों पर स्कल्पचर क्षतिग्रस्त या टूट गए हैं, उनकी मरम्मत शीघ्र कराई जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए नाराजगी भी व्यक्त की कि स्थापित कलाकृतियों का समुचित रखरखाव सुनिश्चित किया जाए, ताकि शहर की सौंदर्यात्मक छवि प्रभावित न हो।रीयूज़ और रीसायकल का संदेश शहर के विभिन्न चौराहों और सार्वजनिक स्थलों पर स्थापित ये स्कल्पचर केवल सौंदर्यीकरण का माध्यम नहीं हैं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और रचनात्मक सोच का भी संदेश दे रहे हैं।

इन कलाकृतियों को स्क्रैप एवं अनुपयोगी धातुओं से तैयार किया गया है, जिससे 'रीयूज़ और रीसायकल' की अवधारणा को बढ़ावा मिल रहा है। यह पहल इस बात का उदाहरण प्रस्तुत करती है कि कबाड़ समझी जाने वाली वस्तुएं भी कला और रचनात्मकता के माध्यम से उपयोगी और आकर्षक रूप ले सकती हैं।इन स्कल्पचर में महिला सशक्तिकरण, योग, खेल, मिलेट्स, हस्तशिल्प, पर्यावरण संरक्षण तथा वाराणसी की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत जैसे विविध विषयों को दर्शाया गया है। प्रत्येक कलाकृति अपने स्थान के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक या आध्यात्मिक महत्व को अभिव्यक्त करती है, जिससे स्थानीय नागरिकों के साथ-साथ पर्यटकों को भी उस क्षेत्र की विशेषता को समझने का अवसर मिलता है। स्थानीय संस्कृति की झलक और भविष्य की योजनाएँ उपाध्यक्ष पुर्ण बोरा ने बताया कि इस योजना के अंतर्गत शहर के 64 प्रमुख स्थलों पर स्टोन, फाइबर और मेटल से निर्मित कलाकृतियाँ स्थापित की जा रही हैं। इसके साथ ही संबंधित स्थानों पर लैंडस्केपिंग, हरियाली, साफ-सफाई तथा रात्रि में आकर्षक प्रकाश व्यवस्था की भी व्यवस्था की जा रही है, जिससे शहर का सौंदर्य और अधिक निखरेगा।

वाराणसी विकास प्राधिकरण के वीसी पुर्ण बोरा की अध्यक्षता में शहर के सौंदर्यीकरण के बाबत रेलवे व संस्कृति मंत्रालय, बीएलडब्लू के अफसरों की हुई संयुक्त बैठक

बैठक के दौरान अधीक्षण अभियंता अजय पवार,आशिमा मेहरोत्रा कार्यकारी निदेशक (हेरिटेज) रेलवे बोर्ड, स्वदेश कुमार सिंह वरिष्ठ प्रो (एडमिन), भारतीय रेल परिवाहन प्रबंधन संस्थान लखनऊ, अर्पित गुप्ता, स्टेशन निदेशक वाराणसी, अरविंद कुमार उप मुख्य मार्केटिंग प्रबंधक, बनारस रेल कारखाना संबंधित अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।